राज्यपाल महोदय श्री राम नरेश यादव का एएसएफ की 14 वीं बैठक में उद्‌बोधन

स्थान :- भोपाल, दिनांक :-10 जून, 2013 समय :- अपरान्ह 12 बजे

मैं समामेलित विशेष निधि (एएसएफ) की 14वीं बैठक में उपस्थित सदस्यों का स्वागत करता हूं। हर वर्ष होने वाली इस बैठक की तरह इस वर्ष भी पिछले किये गये कार्यों की समीक्षा तथा आगामी वर्ष के लिये प्रस्तावित नई कल्याणकारी योजनाओं तथा उस पर होने वाले व्यय पर चर्चा की जायेगी। मुझे आशा है कि आप अपने सारगर्भित विचार प्रस्तुत करेंगे, जिससे भूतपूर्व सैनिकों, विधवाओं और आश्रितों के लिए तैयार की जा रही कल्याणकारी योजनाओं को बनाने और क्रियान्वयन में सहायता मिल सकेगी तथा सैनिकों,विधवाओं और आश्रितों का अधिक से अधिक कल्याण हो सकेगा।

निधि का मुख्य उद्‌देश्य शहीद सैनिकों की विधवाओं और उनके आश्रितों की सहायता करना है। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर अधिक से अधिक धन राशि एकत्रित करने का प्रयास किया जाता है ताकि सैनिकों के कल्याणकारी कोष की राशि में बढ़ोत्तरी हो सके। इस राशि से हम देश के लिये शहीद सैनिकों के परिवार, पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों के लिये नई कल्याणकारी योजनायें चलाते हैं।

यह एक पुण्य का काम है इसमें सभी देशवासियों की भागीदारी होने से न केवल समाज अपितु देश तथा राज्य का मान बढ़ता है बल्कि सेना में कार्यरत सैनिकों का आत्मविश्वास भी बढ़ता है। सहायता प्रदान करने का उद्‌देश्य सरहदों पर तैनात सैनिकों को यह विश्वास दिलाना भी है कि प्रदेश के नागरिक, प्रशासन व शासन उनके साथ है तथा हर परिस्थितियों में उनके देश को दिये जा रहे योगदान के लिये कृतज्ञ है।

मैं उन सभी कमिश्नर और कलेक्टर एवं जिला सैनिक कल्याण अधिकारियों और छात्र-छात्राओं को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने अपने क्षेत्र में सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर अधिक से अधिक राशि एकत्रित की एवं लक्ष्य पूर्ण कर इस कार्य में अपना अमूल्य योगदान दिया है। इस अभियान को और तेज करने की आवश्यकता है। इसलिए इसमें छात्र-छात्राओं और युवकों की

अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। इससे छात्र-छात्राओं में राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत हो सकेगी और वे सैनिकों के बलिदान और संघर्ष के महत्व को समझ सकेंगे।

मुझे आशा है कि भविष्य में भी आप सभी का सहयोग इसी प्रकार प्राप्त होता रहेगा। तथा अन्य अधिकारियों से अपेक्षा करता हूं कि वे भी इस वर्ष अपना निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने का प्रयास करेंगे।

जय हिन्द।